श्री हर्षवर्धन सिंह डुंगरपुर (राजस्थान): महोदय, मैं भी इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

प्रो. जोगेन चौधरी (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं भी इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the concern expressed by the Hon. Member.

MR. CHAIRMAN: I think, almost all sides are associating. Netaji Subhash Chandra Bose is a great hero. Whenever we see him even in films, we all feel patriotism. I hope, the Government will take note of it.

AN HON. MEMBER: We should declare it a holiday. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Declaring a day is different, holidaying is different. We should not be seen as if we are always asking for holidays. So, please understand. But sentimentally what he said is right. ...(*Interruptions*)...

Incidents of misbehaviour with the passengers by some private airlines

श्री हरिवंश (बिहार): सभापति जी, समय देने के लिए धन्यवाद। यह सच है कि भारत में हवाई यात्रा के क्षेत्र में निजी एयरलाइंस की भूमिका महत्वपूर्ण है, परन्तु निजी एयरलाइंस चलाने वाले देश के कानून से ऊपर नहीं हैं। आज इस बाजार व्यवस्था का सर्वमान्य स्लोगन है - Customer is king - यानी हवाई यात्रा में यात्री ही सब कुछ है लेकिन आज इन यात्रियों के साथ क्या हो रहा है?

नवम्बर में सभी टी.वी. चैनलों पर देश और दुनिया ने देखा कि एक बीमार, लगभग 60-62 वर्ष की उम्र के अकेले यात्री को जानबूझकर, अकेला कर, उस एयरलाइंस के 4-6 नौजवान बहादुर लोगों ने नीचे गिराकर उसके साथ मारपीट की। उसी एयरलाइंस के एक संवेदनशील युवा कर्मचारी ने जब उसका वीडियो बनाया तो उसे तुरंत नौकरी से बरखास्त कर दिया गया। उसी एयरलाइंस के बारे में हमारे समय के बड़े इतिहासकार, सामयिक विषयों पर लिखने वाले देश-दुनिया के सम्मानित नाम, रामचंद्र गुहा ने ट्विटर पर complaint की – Unprovoked Rudeness. 4 नवंबर को एक मशहूर खिलाड़ी और देश की गौरव पी. वी. सिंधु ने अपनी मुम्बई यात्रा में उसी एयरलाइंस के कर्मचारियों के बारे में rude behaviour की शिकायत की। ये तीन शिकायतें

सार्वजनिक हुई हैं। एक ही एयरलाइंस को लेकर आम यात्रियों को क्या परेशानी रोज़ होती होगी, हम इसे समझ सकते हैं। 6 दिसंबर के 'Mint' अखबार की खबर है — 'Airlines seen posting higher profits in the Financial Year 2018 on fare hikes.' इसी सदन में baggage के नाम पर किस तरह पैसे वसूले जाते हैं, जब यह सवाल उठा तो कुछ दिनों तक स्थिति ठीक रही, लेकिन फिर अदालत से कोई स्टे लेकर आ गया और आज फिर वही स्थिति है कि यात्रियों से अधिकाधिक पैसा वसूलो। मुझे तो डर लगता है कि आने वाले समय में हवाई जहाज के अंदर सांस लेने के भी पैसे वसूले जाएंगे। दरअसल यह निजी पूंजी का चरित्र है। तुलसीदास जी बहुत पहले कह गए थे — 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं'।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से यह अपेक्षा करता हूं कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निजी एयरलाइंस भारत सरकार के नियम-कानूनों के तहत काम करें। मैंने एक निजी एयरलाइंस के बारे में बताया। सारे निजी एयरलाइंस लगभग इसी तौर-तरीके से यात्रियों के साथ परेशानी पैदा करते हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप सरकार से कहें कि वह उस पर कुछ पाबंदी लगाए और उनको नियम-कानून के तहत काम करने के लिए कहे। धन्यवाद।

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY (West Bengal): Sir, I associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI NARESH AGRAWAL (Uttar Pradesh): Sir, I too associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI RAM KUMAR KASHYAP (Haryana): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI SANJIV KUMAR (Jharkhand): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

PROF. RAM GOPAL YADAV (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI K. SOMAPRASAD (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI VISHAMBHAR PRASAD NISHAD (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by Shri Harivansh.

SHRI ASHOK SIDDHARTH (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Harivansh.

SHRI NEERAJ SHEKHAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Harivansh.

SHRI SURENDRA SINGH NAGAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the concern expressed by Shri Harivansh.

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राजीव शुक्ल (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the concern expressed by Shri Harivansh.

श्री नरेश अग्रवाल: सर, अगर एमपीज़ एयरलाइन में कुछ करते हैं, तो एमपीज़ को सारी एयरलाइंस बैन कर देती हैं। जब कर्मचारी ऐसा कर रहा है, तो उसको भी एयरलाइन में नौकरी करने के लिए बैन करना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इस सुझाव को ध्यान में रखना चाहिए। श्री विशम्भर प्रसाद निषाद।

Need to bring back the fishermen languishing in the jails in Pakistan

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मैं शून्य काल में एक महत्वपूर्ण मामले को उठा रहा हूँ। मान्यवर, गुजरात के समुद्री क्षेत्र ओखा से हमारे उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के 21 मछुआरों को पाकिस्तान की नौसेना 9 नवम्बर, 2017 को पकड़कर ले गई है, जो अभी कराची जेल में हैं। वहां उनको तरह-तरह की यातनाएं दी जा रही हैं। चूंकि बुंदेलखंड में वैसे भी सूखा पड़ा है, तो ये गरीब लोग अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए वहां रोजगार की तलाश में गए थे। यह हो सकता है कि वे धोखे से पाकिस्तान के जल-क्षेत्र में चले गए हों या उनको अपने ही जल-क्षेत्र से पाकिस्तान की सेना पकड़कर ले गई हो। मान्यवर, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान की जेलों में करीब 500 मछुआरे बन्द हैं और उनको वहां तमाम तरह की यातनाएँ दी जा रही हैं। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार को बताना चाहता हूँ कि वहां की जेलों में जो मछुआरे बन्द हैं, उनकी नौकाएँ भी बन्द हैं। मैं बताना चाहता हूँ कि ओखा क्षेत्र के जो श्री मनोज मोरी, ठेकेदार हैं, वे इनको वहां लेकर गए थे। वहां ये लोग उनके माध्यम से गए थे। उन लोगों के परिजन परेशान हैं। उनमें से एक की मां को कैंसर हो गया है, जिनको कोई सुनने वाला या देखने वाला नहीं है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ कि जो मछुआरे पाकिस्तान की जेलों में बन्द हैं, जिनको पाकिस्तान की सेना ओखा क्षेत्र से पकड़कर ले गई है, उनको रिहा करवाने की कृपा की जाए। मान्यवर, वे बहुत ही गरीब लोग हैं। धन्यवाद।

SHRI NARESH AGRAWAL (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the issue raised by Shri Vishambhar Prasad Nishad.

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।